



# AGARWAL FORTUNE INDIA LIMITED

(Formerly known as Devki Leasing and Finance Limited)

CIN: L74110RJ1993PLC085542

Date: 29/08/2024

To,  
The General Manager-Listing  
Bombay Stock Exchange Limited (BSE)  
Phiroze Jeejeebhoy Towers,  
Dalal Street, Fort  
Mumbai- 400 001.

Script Code - 530765 / Scrip Name - AGARWAL

Subject: Newspaper Advertisement related to 32<sup>nd</sup> Annual General Meeting - pursuant to Regulation 47 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

Dear Sir/Ma'am,

Pursuant to the requirement of Regulation 30 read with Regulation 47(1)(d) of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations 2015, we enclosed herewith the copies of the relevant pages of the advertisements published in the Newspaper regarding completion of dispatch of the notice of the Annual General Meeting (AGM) of Agarwal Fortune India Limited ("**the Company**") to be held on **Friday, 20th September, 2024 at 03:00 P.M.** (IST) through Video Conferencing and E-Voting Information for the AGM of the Company in terms of Section 108 of the Companies Act, 2013 read with Rule 20 of the Companies(Management and Administration) Rules 2014 as amended and Regulation 44 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations 2015.

Please find enclosed the Newspaper Advertisement titled "**Notice of 32<sup>nd</sup> AGM of Agarwal Fortune India Limited, Book Closure, Record Date And Remote E-Voting Information**" published today in Financial Express (English Edition) on 29.08.2024 and Business Remedies Newspaper (Hindi Edition) on 29.08.2024.

You are requested to kindly take the above on your records.

Thanking You  
Yours faithfully

**FOR AGARWAL FORTUNE INDIA LIMITED**  
(Formerly known as Devki Leasing and Finance Limited)

**Aditi Parmar**  
(Company Secretary & Compliance Officer)  
M. No.: A37301

**Enclosed: as above**



# बिजनेस रेमेडीज

जयपुर। गुरुवार 29 अगस्त, 2024

## भारत और जीसीसी देशों का द्विपक्षीय व्यापार 162 अरब डॉलर पहुंचा, निर्यात में हुई वृद्धि

**बिजनेस रेमेडीज/रेमेडीज/नई दिल्ली (आईएनएस)।** भारत और गल्फ कौन्सिल ऑफ कोऑपरेशन (सीसीसी) के बीच द्विपक्षीय व्यापार बीते वर्ष बढ़कर 162 अरब डॉलर का हो गया है। सरकार की ओर से यह जानकारी दी गई है। विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (गल्फ) असीम पी. महाजन ने कहा कि जीसीसी की भारत के कुल व्यापार में हिस्सेदारी 15 प्रतिशत की हो गई है। इन देशों का पर्ना, डिफेंस, सिटिकोरेटी और हेल्थ जैसे बढ़ते हुए क्षेत्रों में अहम योगदान है। राष्ट्रीय राजधानी में हुए फिक्की के एक इवेंट में उन्होंने कहा कि कुल व्यापार के अंकड़े में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, लेकिन जीसीसी देशों को भारत का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारत की ओर से जीसीसी देशों को कई प्रकार के प्रोसेस फूड्स, ज्वेलरी, सिंथेटिक फाइबर और यार्न, कपड़ा, फार्मास्यूटिकल्स और इंजीनियरिंग सामान और केमिकल उत्पादों का निर्यात किया जाता है। महाजन ने कहा कि भारत और गल्फ देशों के बीच सांस्कृतिक और द्विपक्षीय व्यापार मजबूत है। तेल के आयात में वृद्धि होने के कारण जीसीसी के साथ भारत के आर्थिक संबंधों में काफी सुधार हुआ है। 2022 के सरकारी डेटा के मुताबिक, जीसीसी देशों की भारत के तेल आयात में 35 प्रतिशत और गैस आयात में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी है। 2021-22 में भारत ने जीसीसी देशों से 48 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया था। वहीं, 2021-22 के दौरान 21 अरब डॉलर का एलएनजी और एलपीजी आयात की थी। वित्त वर्ष 2017-18 से भारत और जीसीसी देशों का व्यापार 10.57 प्रतिशत के सीएजीआर (कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ रहा है। इस साल फरवरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर की यात्रा की थी। यहां पर प्रधानमंत्री की ओर से द्विपक्षीय व्यापार को लेकर दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व से बातचीत की गई है। वित्त वर्ष 2022-23 में यूएई के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 85 अरब डॉलर का था। इस दौरान भारत और कतर के बीच द्विपक्षीय व्यापार 20 अरब डॉलर का था।

## प्रधानमंत्री जन धन योजना ने वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : पीएम मोदी

**बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री जन धन योजना' के 10 वर्ष पूरे होने पर कहा कि यह योजना सम्मान, सशक्तीकरण और राष्ट्र के आर्थिक जीवन में भागीदारी के अवसर का प्रतीक है। मोदी ने जन धन योजना को सफल बनाने के लिए काम करने वालों की भी सराहना की और कहा कि यह योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक खाते पर लिखा, "आज एक ऐतिहासिक दिन है... जन धन योजना के 10 वर्ष पूरे हो गए हैं। सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं और इस योजना को सफल बनाने के लिए दिन-रात एक करने वाले सभी लोगों को भी बहुत-बहुत बधाई।" उन्होंने कहा कि जन धन योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और करोड़ों लोगों को आर्थिक समावेशन के अंतर्गत लाने के लिए शुरू की गई थी। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य है कि देश के सबसे कम आय वाले लोगों को भी आर्थिक समावेशन के अंतर्गत लाना और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। उन्होंने कहा कि जन धन योजना के 10 वर्षों में करोड़ों लोगों को आर्थिक समावेशन के अंतर्गत लाने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि जन धन योजना को सफल बनाने के लिए दिन-रात एक करने वाले सभी लोगों को भी बहुत-बहुत बधाई।" उन्होंने कहा कि जन धन योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और करोड़ों लोगों को आर्थिक समावेशन के अंतर्गत लाने के लिए शुरू की गई थी। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य है कि देश के सबसे कम आय वाले लोगों को भी आर्थिक समावेशन के अंतर्गत लाना और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है।



युवाओं तथा वंचित समुदायों को सम्मान देने में सबसे आगे रही है। प्रधानमंत्री ने पेशेवर मंच 'लिवइंड' पर बाद में लिखा आज प्रधानमंत्री जन धन योजना को शुरू हुए एक दशक हो गया है और यह पहल महज एक नीति नहीं है। यह एक ऐसे भारत के निर्माण का प्रयास है, जहां हर नागरिक, चाहे उसकी आर्थिक प्रभुता कुछ भी हो, उसकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए काम करेगा। प्रधानमंत्री ने पेशेवर मंच 'लिवइंड' पर बाद में लिखा आज प्रधानमंत्री जन धन योजना को शुरू हुए एक दशक हो गया है और यह पहल महज एक नीति नहीं है। यह एक ऐसे भारत के निर्माण का प्रयास है, जहां हर नागरिक, चाहे उसकी आर्थिक प्रभुता कुछ भी हो, उसकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए काम करेगा।



लेकिन हमारे लगभग आधे परिवारों के लिए बैंकिंग प्रणाली तक पहुंच दूर का सपना थी। उन्होंने कहा कि उनकी दुनिया ऐसी थी जहां बचत घर पर रखी जाती थी, जिसके खोने तथा चोरी होने का खतरा बना रहता था। मोदी ने कहा, "कई तक पहुंच 'साहूकारों' की दया पर निर्भर थी। वित्तीय सुरक्षा के अभाव से कई सपने पूरे नहीं हो पाते थे।" उन्होंने कहा, "जब जन-धन योजना शुरू की गई तो मुझे याद है कि इसे लेकर भी संशय की स्थिति थी। कुछ लोगों ने पूछा था - क्या इतनी बड़ी संख्या में लोगों को बैंकिंग

## सेबी ने मूल्य हेरफेर करने वाली एसएमई कंपनियों के शेयरों में निवेश के प्रति आगाह किया

**बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली।** भारतीय प्रतिभूति एवं वित्त नियंत्रण बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों को ऐसी छोटी एवं मझोली कंपनियों (एसएमई) के शेयरों में अपना पैसा लगाने के खिलाफ आगाह किया, जो अपने परिचालन की झूठी तस्वीर पेश करके शेयर मूल्य में हेरफेर करती हैं। सेबी ने बयान में कहा कि यह बात संज्ञान में आई है कि सूचीबद्धता के बाद कुछ एसएमई कंपनियां या उनके प्रवर्तक ऐसी सार्वजनिक घोषणाएं कर रहे हैं, जिनसे उनके परिचालन की सकारात्मक छवि बनती है। ऐसी घोषणाओं के बाद बोनस निर्गम, शेयर विभाजन और तरजीही आवंटन जैसी विभिन्न कॉर्पोरेट कार्रवाइयों की जाती हैं। इन कदमों से निवेशकों में सकारात्मक धारणा बनती है और वे ऐसी प्रतिभूतियों को खरीदने के लिए प्रेरित होते हैं। साथ ही, इससे प्रवर्तकों को ऐसी कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी ऊंचे दामों पर बेचने का आसान अवसर भी मिलता है। सेबी ने बयान में कहा, "निवेशकों से आग्रह किया जाता है कि वे उपरोक्त तरीकों के प्रति

सावधान और सतर्क रहें तथा ऐसी प्रतिभूतियों में निवेश करते समय सावधानी बरतें। इसके अलावा, निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे असत्यापित सोशल मीडिया पोस्ट पर भरोसा न करें और सुझावों/अफवाहों के आधार पर निवेश न करें।" हाल ही में सेबी ने ऐसी इकाइयों के खिलाफ आदेश पारित किए हैं। यह देखा जा सकता है कि इन इकाइयों की कार्यप्रणाली मोटे तौर पर ऊपर बताया गए तरीकों जैसी ही है। उपरती कंपनियों के लिए धन जुटाने के वैकल्पिक स्रोत के रूप में काम करने के लिए शेयर बाजारों के एसएमई मंच को 2012 में शुरू किया गया था। तब से, एसएमई निर्गम की संख्या में वृद्धि हुई है और साथ ही ऐसे प्रस्तावों में निवेशकों की भागीदारी भी बढ़ी है। पिछले दशक के दौरान इस मंच के माध्यम से 14,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए गए हैं, जिनमें से लगभग 6,000 करोड़ रुपये सिर्फ पिछले वित्त वर्ष (2023-24) के दौरान जुटाए गए।

## चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने एसबीआई के चेयरमैन का पदभार संभाला

**बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली।** चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन का पदभार संभाल लिया। एसबीआई ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। वह दिनेश खरार का स्थान लिया। खरार मंगलवार को कारोबारी समय समाप्त होने पर बैंक की सेवाओं से सेवानिवृत्त हो गए। शेट्टी इससे पहले एसबीआई के वरिष्ठतम प्रबंध निदेशक थे। परंपरा के अनुसार, चेयरमैन की नियुक्ति एसबीआई के मौजूदा प्रबंध निदेशकों में से की जाती है। आमतौर पर सबसे वरिष्ठ प्रबंध निदेशक ही बैंक के चेयरमैन बनता है। शेट्टी ने भारत सरकार द्वारा गठित विभिन्न कार्य बल/समितियों का भी नेतृत्व किया है। वह बैंक के खुदरा और डिजिटल बैंकिंग खंड की देखरेख भी कर चुके हैं। कृषि विज्ञान में सातक और भारतीय बैंकर्स संस्थान के प्रमाणित एग्रीपेरिटर, शेट्टी ने 1988 में एसबीआई में प्रोबेशनरी ऑफिसर (पीओ) के रूप में अपना करियर शुरू किया था।



## सरकार ने कृषि अवसंरचना कोष योजना का दायरा बढ़ाने की मंजूरी दी

**बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली।** सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये की कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) योजना का दायरा बढ़ाकर इसे और अधिक आकर्षक बना दिया। यह कदम देश में कृषि संबंधी बुनियादी ढांचा सुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में एआईएफ

**यह कदम देश में कृषि संबंधी बुनियादी ढांचा सुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है।**

करने तथा कृषक समुदाय को समर्थन देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सरकार ने एआईएफ योजना के दायरे का विस्तार करने को कई उपग्रहों की घोषणा की है। इसमें कहा गया, "इन पहलों का उद्देश्य मात्र परियोजनाओं के दायरे का विस्तार करना और एक मजबूत कृषि अवसंरचना पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त सहायक उपायों को एकीकृत करना है।"

के तहत वित्तपोषण सुविधा की केन्द्रीय क्षेत्र योजना के प्रगतिशील विस्तार को मंजूरी दी गई है। इसका मकसद इसे और अधिक आकर्षक, प्रभावी और समावेशी बनाना है। देश में कृषि बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने और मजबूत

## पोत परिवहन मंत्रालय ने बंदरगाह कर्मचारियों के वेतन संशोधन समझौते को मंजूरी दी

**बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली।** बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने प्रमुख बंदरगाहों पर कार्यरत श्रमिकों के लिए वेतन संरचना में संशोधन को मंजूरी दे दी है। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, द्विपक्षीय वेतन वार्ता समिति और भारतीय बंदरगाह संघ (आईपीए) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके साथ ही 12 प्रमुख बंदरगाहों पर परिचालन को बाधित करने वाली अनिश्चितकालीन हड़ताल टल गई। बंदरगाहों पर कार्यरत कर्मचारियों

के संगठनों ने वेतन संशोधन पर सहमति न बन पाने की वजह से बुधवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल करने की घोषणा की हुई थी। बयान के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच हुआ समझौता ज्ञापन वेतन संरचना के संशोधन की सुविधा देता है और इसमें पेंशन लाभ सहित अन्य सेवा शर्तों का भी ध्यान रखा गया है। इसमें सहमति जताई गई है कि 31 दिसंबर, 2021 को मूल वेतन की कुल राशि पर 8.5 प्रतिशत का फ्रिटमेंट लाभ और एक जनवरी, 2022 तक 30 प्रतिशत परिवर्तनीय महंगाई भत्ता (वीडीपी) दिया जाएगा।

## यूपीआई, रुपये को सही मायने में वैश्विक बनाने के प्रयास जारी: आरबीआई गवर्नर

**बिजनेस रेमेडीज/मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिचक्र दास ने बुधवार को अपने ध्यान वाले क्षेत्रों को रेखांकित करते हुए कहा कि यूपीआई और रुपये को सही मायने में वैश्विक बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। दास ने 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2024' को संबोधित करते हुए कहा कि आरबीआई का ध्यान वित्तीय समावेशन, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई), उपभोक्ता संरक्षण एवं साइबर सुरक्षा, टिकाऊ वित्त और वित्तीय सेवाओं के वैश्विक एकीकरण को सशक्त बनाने पर है। उन्होंने कहा कि भारत कई देशों के साथ आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों और द्विपक्षीय



समझौतों का सक्रिय हिस्सा है और सीमापार भुगतान प्रणालियों सहित वित्तीय बुनियादी ढांचे को मजबूत करना रिजर्व बैंक का प्रमुख लक्षित क्षेत्र होगा। आरबीआई गवर्नर ने कहा, "हम अब यूपीआई और रुपये को वास्तव में वैश्विक बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि इस दिशा में भूतान, नेपाल, श्रीलंका, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), मॉरीशस, नामीबिया, पेरू, फ्रांस और

अंतरराष्ट्रीय सहयोग की प्रतिबद्धता को सशक्त करने और उत्कृष्ट संस्थानों को विकसित करने की क्षमता रखता है। दास ने कहा कि फिनटेक क्षेत्र ने पिछले दो वर्षों में लगभग छह अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारत अब एक तेजी से बढ़ती आर्थिक शक्ति है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में पैदा हो रहे नए अवसरों का लाभ उठाने और जोशिमों को कम करने के लिए वित्तीय संस्थानों और फिनटेक को तेजी से एक मजबूत ढांचा अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल वित्तीय समावेशन में पैमाने पर दर्ज किए जाने लायक और फिनप्रयत्नी लागत के अग्रणी फायदे हैं।

## बेफिक्र जिन्दगी के आगे दर्द क्या चीज़ है ?

**डा. ऑर्थो स्ट्रॉंग तेल**

**जोंडों के दर्द का Specialist**

**Clinically Tested\***

**Dr. Ortho Strong Oil**

**डा. ऑर्थो स्ट्रॉंग**

**Dr. Juneja's Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment**

**24x7 Helpline: 78769 7777 | www.drorthoil.com**

**घुटना दर्द, कमर दर्द, कलाई दर्द, कंधा दर्द**

10 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों व सत्वों के योग से निर्मित डा. ऑर्थो स्ट्रॉंग तेल जोंडों के अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें। आयुर्वेदिक होने के कारण इसका प्रभाव अल्पकालिक नहीं लम्बे समय तक बना रहता है।

### BUSINESS

### न्यूज़ ब्रीफ

## आईआईएसए की स्टूडेंट देवांशी कंवर की आईसीएसआई एजाम में जयपुर में तीसरी रैंक



**बिजनेस रेमेडीज/जयपुर।** आईआईएसए (डीएम टू बी यूनिवर्सिटी) के अकाउंटिंग एंड टैक्सेशन डिपार्टमेंट की स्टूडेंट देवांशी कंवर ने आईसीएसआई की ओर से हुए कंपनी सेक्रेटरीशिप एग्जीक्यूटिव एजाम जून-2024 के दोनों ग्रुप में जयपुर में तीसरी रैंक हासिल की है। बीकॉम(ऑनर्स) (प्रोफिसिएंसी इन कंपनी सेक्रेटरीशिप) सेमेस्टर 5 की स्टूडेंट देवांशी को इस सफलता पर यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ.अशोक गुप्ता ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

## रोटरी क्लब उदयपुर को दिया रोटरी अन्तर्राष्ट्रीय साईटेशन अवार्ड

**बिजनेस रेमेडीज/उदयपुर।** रोटरी क्लब उदयपुर को वर्ष 2023-24 के अध्यक्ष गिरीश मेहता के नेतृत्व में क्लब द्वारा किये गये उल्लेखनीय सेवा कार्यों को देखते हुए वर्ष 2023-24 के रोटरी अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आर.गोर्डन मैकेनली को रोटरी अन्तर्राष्ट्रीय साईटेशन अवार्ड से क्लब को हाल ही में सम्मानित किया। गिरीश मेहता ने बताया कि यह अवार्ड क्लब द्वारा किये गये सामाजिक एवं मानवीय सेवा कार्यों के लिये प्रदान किया जाता है। यह रोटरी अन्तर्राष्ट्रीय का सबसे बड़ा अवार्ड होता है। वर्ष 2023-24 के प्रोग्राम कमेटी चेरमैन डॉ.प्रदीप कुमार ने बताया कि गिरीश मेहता द्वारा किये गये उत्कृष्ट सेवा कार्यों एवं अधिकतम सदस्यता वृद्धि व समाज विकास हेतु मैकेनली द्वारा मेहता को प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि गिरीश मेहता को वर्ष 2023-24 में रोटरी क्लब एक्सलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। मेहता ने किगत वर्ष के दौरान अधिकतम क्लब सदस्यता वृद्धि कर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराया।

# 'रोजगार आपके द्वार' ईएआर का अनूठा अभियान युवाओं को रोजगार के लिए डूंगला में एक दिवसीय रोजगार मेला 31 अगस्त को, ईएआर जॉब्स पॉइंट और ईएआर वेल्फेयर फाउंडेशन रहेंगे सहयोगी

**बिजनेस रेमेडीज/जयपुर।** दी एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (ईएआर) की ओर से 31 अगस्त, शनिवार को डूंगला, जिला चित्तौड़गढ़ में एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। मेले के आयोजनकर्ता सहकारिता राज्य मंत्री गौतम दक होंगे, जिन्होंने गांवों के युवाओं के लिए अहम पहल की है।



हमने महत्वपूर्ण पहल की है। ईएआर जॉब्स पॉइंट की चेयरमैन व प्लेसमेंट एक्सपर्ट पूजा गुप्ता ने बताया कि इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए दी एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान ने अपने प्लेसमेंट वर्टिकल ईएआर जॉब्स पॉइंट और सामाजिक प्रकल्प ईएआर वेल्फेयर फाउंडेशन के साथ मिलकर ये अभियान शुरू किया गया है। रोजगार आपके द्वार पहले बानसूर (जिला अलवर) में लगाया गया था। अब 31 अगस्त शनिवार को डूंगला



(जिला चित्तौड़गढ़) में एक दिवसीय रोजगार मेला लगाया जाएगा। इसके आयोजनकर्ता सहकारिता राज्य मंत्री गौतम दक होंगे, जिन्होंने गांवों के युवाओं के लिए अहम पहल की है। ईएआर के सलाहकार मनोज मेहराम के अनुसार इस रोजगार मेले में ईएआर ने अपने सदस्य उद्योगों के अलावा भी राजस्थान के बाहर की नामी कंपनियों को बुलाया है, ताकि गांव के रिक्त युवाओं को भी रोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकें। ईएआर के



सचिव एस.के.पाटनी ने बताया कि रोजगार मेले में दी एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान, ईएआर जॉब्स पॉइंट व ईएआर वेल्फेयर फाउंडेशन से जुड़े सदस्य शामिल होंगे। रोजगार मेले में मुख्य रूप से मैसर्स जेके टायर, कांकरोली, सुब्रोस लि.अहमदाबाद, स्वर्णेश इंश्योरेंस, जयपुर, जे.जे.प्लास्टर, मुंबई, अशोक लीडेंस, अलवर, हिंदुस्तान जिंक, उदयपुर के अलावा लगभग 30 से ज्यादा प्रमुख कम्पनीज भाग लेंगी।

## प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा को अणुव्रत पुरस्कार प्रदत्त



**बिजनेस रेमेडीज/उदयपुर।** अणुव्रत विश्व भारती द्वारा दिये जाने वाले प्रतिष्ठित 'अणुव्रत पुरस्कार' वर्ष 2023 के लिए प्रसिद्ध उद्योगपति व समाजसेवी रतन टाटा को मुम्बई स्थित उनके आवास पर भेंट किया गया। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के अध्यक्ष अकिनाश नाहर के साथ वहां पहुंचे प्रतिनिधि मण्डल ने रतन टाटा को पुरस्कार स्वरूप स्मृति चिन्ह, प्रशस्त पत्र सहित 1.51 लाख की राशि भेंट की। इस अवसर पर अणुविभा के महामंत्री भीष्म सुराणा, मुम्बई कस्टम कमिश्नर अशोक कुमार कोठारी, अणुविभा उपाध्यक्ष विनोद कुमार व सहमंत्री मनोज सिंघवी उपस्थित थे। अणुविभा अध्यक्ष नाहर ने रतन टाटा को अणुव्रत पुरस्कार सौंपते हुए मानव जाति को उनके सकारात्मक

योगदान की प्रशंसा की एवं दुनिया में मानवीयता का एक श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए सम्पूर्ण अणुविभा परिवार की ओर से बधाई ज्ञापित की। उन्होंने बताया कि अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण ने रतन टाटा के प्रति अपनी मंगल कामनाएं प्रेषित की हैं व उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की है। रतन टाटा ने अणुव्रत अनुशास्ता के प्रति अपना हार्दिक आदर व सम्मान व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि 75 वर्षों से गतिमान अणुव्रत आंदोलन मानवीय एकता, नैतिकता, अहिंसा व सद्भावना के क्षेत्र में विशद कार्य कर रहा है। आचार्य तुलसी द्वारा प्रणीत यह आंदोलन संयुक्त राष्ट्र तक अपनी विशेष पहचान स्थापित कर चुका है।

## रफ डायमंड जेमस्टोन सोर्सिंग-2024 शो के दसवें संस्करण का जयपुर में हुआ उद्घाटन

**बिजनेस रेमेडीज/जयपुर।** जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) द्वारा आयोजित इंडिया रफ जेम्सटोन सोर्सिंग शो 2024 (आईआरजीएसएस) के 10वें संस्करण का उद्घाटन 27 अगस्त को जयपुर में सीमा शुल्क के अतिरिक्त आयुक्त नीरज दुबे द्वारा किया गया। जयपुर में प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों के साथ के.एम. मीना, सहअध्यक्ष सीमा शुल्क आयुक्त, एयर कार्गो ऑपरेटिव (एसीओ), जयपुर ने भी उपस्थिति दर्ज किया। यह शो 5 वीं मंजिल, मॉल 21, भगवान दास रोड, सी-स्क्रीम, जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में जीजेईपीसी के अध्यक्ष, के.एम. मीना, जयपुर ने भी उपस्थिति दर्ज किया। यह शो 5 वीं मंजिल, मॉल 21, भगवान दास रोड, सी-स्क्रीम, जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में जीजेईपीसी के अध्यक्ष, के.एम. मीना, जयपुर ने भी उपस्थिति दर्ज किया। यह शो 5 वीं मंजिल, मॉल 21, भगवान दास रोड, सी-स्क्रीम, जयपुर में आयोजित किया जा रहा है।



व्यापार सदस्यों द्वारा सीमा शुल्क अधिकारियों स्वागत किया। जीजेईपीसी के अध्यक्ष, विपुल शाह ने कहा कि इंडिया रफ जेम्सटोन सोर्सिंग शो के 10वें संस्करण को देखना संगृहीतकर्ता है, यह एक मील का पत्थर है जो एक पहल की सफलता का प्रतीक है, जिसे हमने यह सुनिश्चित करने के लिए COVID-19 महामारी के दौरान जयपुर में हमारे रंगीन रत्न निर्माताओं को कच्चे रत्नों की निर्बाध आपूर्ति के लिए शुरू किया गया था। मैं एक्जीकुटिव्स को उनके निरंतर समर्थन के लिए वास्तव में आभारी हूं। यह

## जयपुर में दो दिवसीय स्टेट लेवल पुलिस ऑफिसर्स कांफ्रेंस आज से

**बिजनेस रेमेडीज/जयपुर।** प्रदेश में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था और जनसुरक्षा से जुड़े सरोकारों पर राज्य के शीर्ष पुलिस अधिकारी राजधानी में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में गुरुवार से आयोजित होने वाली दो दिवसीय स्टेट लेवल पुलिस ऑफिसर्स कांफ्रेंस में चिंतन-मनन करते हुए बेहतर पुलिसिंग का रोडमैप तैयार करेंगे। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने बताया जयपुर में इस साल की शुरुआत में जनवरी माह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुए राष्ट्रीय स्तर की डीजीपी-आईजी समन्वयन में लिए गए निर्णय के क्रम में इस कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा 'पुलिसिंग विद एक्सलेंस-द वे फॉरवर्ड' के विषय पर आयोजित इस विशेष कांफ्रेंस का शुभारम्भ करेंगे।

# ब्लूस्मार्ट का भरतपुर में ड्राइवर नौकरी मेला 30 और 31 अगस्त को

**बिजनेस रेमेडीज/भरतपुर।** ब्लूस्मार्ट, भारत की सबसे बड़ी 100 प्रतिष्ठत इलेक्ट्रिक कैब सेवा, 30 और 31 अगस्त को होटल पर्यटन मंगल, वेयर हाउस रोड, बयाना, भरतपुर में ड्राइवर नौकरी मेला का आयोजन कर रही है। इस मेले में ब्लूस्मार्ट द्वारा दिल्ली-एनसीआर और बैंगलुरु के लिए ड्राइवर्स को भर्ती की जाएगी। इस समय ब्लूस्मार्ट के पास 10,000 से ज्यादा ड्राइवर पार्टनर्स हैं। पिछले एक माह में ब्लूस्मार्ट ने हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार में भर्तियां की हैं, जिसमें विभिन्न शहरों के ड्राइवर्स ने हिस्सा लिया था। अब कंपनी अपनी सेवाओं का विस्तार कर रही है, इसलिए और ज्यादा ड्राइवर पार्टनर्स की भर्ती करके उन्हें दिल्ली, गुडगंज और बैंगलुरु जैसे शहरों में रोजगार के स्थिर अवसर



प्रदान किए जा रहे हैं। ब्लूस्मार्ट प्लेटफॉर्म को फोफोउडर एवं सीईओ, अनिरुद्ध अरुण ने कहा कि ब्लूस्मार्ट की सफलता में हमारे ड्राइवर पार्टनर्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। भरतपुर में इस पहले नौकरी मेला में आपको हमारे 10,000 से ज्यादा ड्राइवर पार्टनर्स के समुदाय में शामिल होने का मौका मिलेगा। इससे पहले ब्लूस्मार्ट द्वारा हरियाणा, राजस्थान, बिहार और यूपी में सैकड़ों ड्राइवर्स की भर्ती की जा चुकी है। इस नौकरी मेले

हैं। पहले दिन स्क्रीनिंग और चयन प्रक्रिया होगी जिसमें ड्राइविंग टेस्ट और कागजात की जांच होगी। दूसरे दिन चयनित उम्मीदवारों के लिए ट्रेनिंग सेशन होगा। ड्राइवर पार्टनर बनने के लिए आपके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, वर्तमान एवं स्थायी पते का प्रमाण और एक सक्रिय बैंक खाता होना आवश्यक है। यह अद्वितीय नौकरी मेला भारत के छोटे शहरों के लोगों को एक समान आर्थिक अवसर और स्थायी नौकरी प्रदान करने की ब्लूस्मार्ट की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। ब्लूस्मार्ट द्वारा ड्राइवर्स को भारत में ईवी कारिता का हिस्सा बनकर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का अवसर दिया जा रहा है। ड्राइवर्स इस मेले में आकर नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं।

## राजेश शर्मा युकोरी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और ललित आहूजा उपाध्यक्ष निर्वाचित



**राजेश शर्मा**  
**बिजनेस रेमेडीज/जयपुर।** यूनाइटेड कार्सिल ऑफ राजस्थान इंडस्ट्रीज (युकोरी) के गत दिनों हुए चुनाव में राजेश शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष और ललित आहूजा उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए हैं।



**ललित आहूजा**  
इंजीनियरिंग चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के महानिदेशक सुनील दत्त गोयल ने बताया कि राजेश शर्मा डंपीरियल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में भी वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं, जबकि ललित आहूजा कार्यकारी सदस्य हैं।

## जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता 1 सितंबर को

**बिजनेस रेमेडीज/भीलवाड़ा।** योगासन भारत के तत्त्वधान में योगासन संघ भीलवाड़ा द्वारा 5वीं जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता 1 सितंबर 2024 को वर्धमान जैन पब्लिक विद्यालय में आयोजित की जा रही है। योगासन संघ के जिलाध्यक्ष भीमराम एवं जिला सचिव ओमप्रकाश मानी ने बताया कि योगासन प्रतियोगिता में छः आयु वर्ग- सब जूनियर, जूनियर, सीनियर एवं सीनियर ए. बी.सी के 10 से 55 वर्ष के अलग अलग आयु वर्ग में प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। भारत स्वामिमान न्यास के जिला महामंत्री प्रेम शंकर जोशी के अनुसार इस प्रतियोगिता में योगासन टीम के कोच कमलेश चौधरी के निदेशन में चार तरह के इवेंट (टोइजानल, अर्द्धनिकट सिंगल, अर्द्धनिकट पेयर, रिश्मिक पेयर) आयोजित होंगे।

# होटल फेडरेशन ऑफ कोटा डिवीजन के संभाग अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी ने पूरे सम्भाग की कार्यकारिणी घोषित की

**बिजनेस रेमेडीज/कोटा।** होटल फेडरेशन ऑफ कोटा डिवीजन द्वारा हाइडैली के पर्यटन विकास के लिए किए गए शुरुआती प्रयास एवं कार्य योजना बनाकर भविष्य में किए जाने वाले प्रयासों की रूपरेखा तय करने के लिए होटल फेडरेशन ऑफ कोटा डिवीजन के संभाग अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी ने बताया कि पिछले करीब 3 माह से हाइडैली के सभी होटल रिपोर्ट एवं पर्यटन से जुड़े व्यवसायियों को एक मंच पर लाया गया। साधारण सभा की बैठक में सभी सदस्यों ने आम सहमति से होटल फेडरेशन ऑफ कोटा डिवीजन के अध्यक्ष अशोक

माहेश्वरी को कोटा डिवीजन की इकाई की पदाधिकारियों कार्यकारिणी एवं सलाहकार बोर्ड के निदेशकों की टीम बनाने के लिए अधिकृत किया गया, उसी के तहत चारों जिलों की इकाइयों के गठन की प्रक्रिया को संपूर्ण करते हुए आज कोटा इकाई के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी की घोषणा की गयी है। होटल फेडरेशन ऑफ कोटा डिवीजन के अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी ने महासचिव पद पर संदीप पांडेय कोषाध्यक्ष पद पर अंकुश गुप्ता वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर अनामोलिका जैन, संदीप रंजना, इन्द्रजीत सिंह उपाध्यक्ष पद पर राजेंद्र श्रेणी, सूर्या

राजावत, सचिन माहेश्वरी, पीयूष जैन, नवजोत सिंह सचिव पद पर कोशल बंसल, शुभम जोशी, नदीम अंसारी, अंशुल कंजोरिया एवं विशाल गांधी कार्यकारिणी सदस्य में अभिषेक हिसारिया, राजेंद्र खटाना, सही भाटिया, पंकज सोनी, विनोद शर्मा, हितेश दीपचंदानी, तरुण चतुर्वेदी, नवदीप सिंह, सुरेंद्र कुमार सोनी, नवजोत सिंह दल, रघुल मदनानी, जयपाल भुल्लर, दिव्य कालरा, जितन कुमार, नितेश शुक्ल, आकाशदीप आर्य, पिंजरा माहेश्वरी एवं अमन सुवालका नियुक्त किए गए। स्थाई विशेष आमंत्रित सदस्य जवाहर

बंसल एवं भारत भूषण जैन नियुक्त किए गए। सलाहकार बोर्ड के निदेशक में राजकुमार माहेश्वरी, कमल हिसारिया, अजय खत्री, अनिल मुन्दा, मुरली नुवाल, नेवालाल गुरुंजर, पवन आहूजा, काका हरविंदर सिंह, विष्णु मिश्र, भवानी सिंह चौहान, शंकर हुसैन एवं राजेंद्र चावला नियुक्त किए गए। तकनीकी सलाहकार में भुवनेश्वर लोहारी नियुक्त किया गया है। इसी के साथ बारां जिला इकाई के कार्यकारिणी में मुख्य सलाहकार मनोज अग्रवाल, वरिष्ठ

उपाध्यक्ष हरिओम अग्रवाल, उपाध्यक्ष महेंद्र शर्मा, सचिव जगदीश शर्मा, सह कोषाध्यक्ष सुरेश राठौर, कार्यकारिणी सदस्य में धर्मेन्द्र सुवालका, अभिजीत गावत, सलाहकार बोर्ड के निदेशक में यतीन्द्र गौतम मनोनीत किए गए हैं। झालावाड़ जिला इकाई की कार्यकारिणी में मुख्य सलाहकार भरत भूषण जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह झाला उपाध्यक्ष भुवनेश अग्रवाल सचिव सोरभ जैन सह कोषाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता कार्यकारिणी सदस्य हर्ष जैन धीरज पाटीदार सलाहकार बोर्ड के निदेशक अभिमन्यू सिंह मनोनीत किए गए हैं।

## धुआं-धूप

धुआं और धूप दोनों की तुलना करिए। क्या अच्छा है क्या बुरा। या कभी कोई अच्छा कभी कोई बुरा। चिंतन की चौखट पर समाधान मिलेगा। धुएं में काम करने से आरंभ की रोशनी कम हो जाती है तब मानव अपनी निर्यातित पहचान खो बैठा है। बीडी सिगरेट चिल्म आदि का धुआं सेहत को मटियामेंट कर देता है। इतना सब सामने होते हुए भी चेतना जिंदागी के दुर्लभ श्वासों का धुआं देखकर हर्षाए हैं ना आश्चर्य। कभी अगरबत्ती का धुआं फिज लगता है क्योंकि वो मन को सहका देता है तब तो ताजगी से भर जाता तो कभी गीली लकड़ी कण्डों का धुआं आरंभों को पानी से भिगो देता है। विवेक रहिये, जिंदागी को कफन का धुआं लगे उससे पहले अगरबत्ती की तरह चिंतन, सदगुणों की खुशबू से तर कर दें ताकि लकड़ी कंडे के खारे धुएं की तरह आंसुओं के सहारे घुट-घुट कर ना रहे और जब धूप के सहारे कोई मंगल कार्य किया जाता है तब चेहरों को नूर मन भावन पर नजर आता है। सर्दी की बफरीली हवाएं अपना रूख बरसा रही होती है तो कभी जेठ-बैसाख की भरि दुधपड़ में थिल-थिलती धूप मरुप्रदेश में राहगीर को बेहला भी कर देती है। कठिनाई की धूप में स्वयं को संतुलन के साथ मांगलिक मिशाल की मिसाल बनाएं न कि तपती गर्मी की धूप की तरह बेहा करें।

## चिंतनशीला वसुमति जी मा.सा.

# भिवाड़ी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

**बिजनेस रेमेडीज/भिवाड़ी।** पीयूष सिटी, भिवाड़ी में जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में जन्माष्टमी महोत्सव के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सोसाइटी के समस्त निवासियों के साथ-साथ महिलाओं एवं बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता के अलावा नाटक मंचन झांकियों तथा भगवान कृष्ण की विभिन्न लीलाओं पर आधारित कार्यक्रम में मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम की संकल्पना, निर्देशन पूनम सिंह ने किया था तथा वे लगातार कई दिनों से बच्चों तथा अन्य प्रतिभागियों को प्रस्तुतियों के लिए तैयारी एवं रिहर्सल करवा रही



थी, जिसमें उनका साथ आराधना के शंकर एवं सोसाइटी की अन्य महिलाओं ने दिया। कार्यक्रम शाम 6 बजे प्रारम्भ हुआ तथा मध्याह्निक करीब एक बजे संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन सुधीर सिंह ने किया। कार्यक्रम के दौरान समस्त सोसाइटीवासियों के लिए जल्पना, भंडारे तथा प्रसाद की भी व्यवस्था की

गयी थी। कार्यक्रम के अंत में करीब 72 विजेता प्रतिभागियों को उनका उत्साहवर्धन करते हुए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रदीप भदौरिया ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन हमारे सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों को मजबूत करते हैं तथा सामूहिकता और सामुदायिक भावना

**आवश्यकता**

**बिजनेस रेमेडीज दैनिक समाचार पत्र को कोटा, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, पाली में खबरों एवं विज्ञापन कार्य हेतु प्रतिनिधि की आवश्यकता है।**

**सम्पर्क करें**

**बिजनेस रेमेडीज**

63/118, शिवा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020  
मोबाइल नंबर 9929106227  
E-Mail: [remediesbusiness@gmail.com](mailto:remediesbusiness@gmail.com)  
[businessremedies@yahoo.com](mailto:businessremedies@yahoo.com)





# सोना के वायदा के भाव में 372 रुपये और चांदी में 1251 रुपये की गिरावट

कॉटन-केंडी वायदा 220 लुडका: मेंथा तेल में सुधार: नैचुरल गेस, मेटल्स में नरमी: कर्मोडिटी वायदाओं में 11255 करोड़ रुपये और कर्मोडिटी ऑप्शंस में 47054 करोड़ रुपये का टर्नओवर: सोना-चांदी के वायदाओं में 8507 करोड़ रुपये का कारोबार: बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स फ्यूचर्स 18009 पॉइंट के स्तर पर

**बिज़नेस रेमेडीज/मुंबई**

देश के अग्रणी कर्मोडिटी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज एमसीएक्स पर कर्मोडिटी वायदा, ऑप्शंस और इंडेक्स फ्यूचर्स में 58312.07 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्ज हुआ। कर्मोडिटी वायदाओं में 11255.67 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ, जबकि कर्मोडिटी ऑप्शंस में 47054.96 करोड़ रुपये का नॉशनल टर्नओवर हुआ। बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स सिंटेसिस वायदा 18009 पॉइंट के स्तर पर कारोबार कर रहा था। कर्मोडिटी ऑप्शंस में कुल प्रीमियम टर्नओवर 970.81 करोड़ रुपये का हुआ।

कीमती धातुओं में सोना-चांदी के वायदाओं में 8507.89 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। एमसीएक्स सोना अक्टूबर वायदा 71980 रुपये पर खलकर, 72075 रुपये के दिन के उच्च और 71727 रुपये के नीचेले स्तर पर पहुंचकर, 72122 रुपये के पिछले बंद के सामने 372 रुपये या 0.52 फीसदी लुडककर 71750 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंचा। इनके अलावा



गोल्ड-गिनी अगस्त वायदा 10 रुपये या 0.02 फीसदी की मंदी रही और यह कॉन्ट्रैक्ट 57899 रुपये प्रति 8 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था। जबकि गोल्ड-पेटल अगस्त वायदा 1 रुपये या 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 7045 रुपये प्रति 1 ग्राम हुआ। सोना-मिनी सिंटेसिस वायदा 71490 रुपये पर खलकर, 71543 रुपये के दिन के उच्च और 71257 रुपये के नीचेले स्तर पर पहुंचकर, 271 रुपये या 0.38 फीसदी गिरकर 71280 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंचा।

चांदी के वायदाओं में चांदी सिंटेसिस वायदा सत्र के आरंभ में 85373 रुपये पर खलकर, 85418 रुपये के दिन के उच्च और 84129 रुपये के नीचेले स्तर को छूकर, 85658 रुपये के पिछले बंद के सामने 1251 रुपये या 1.46 फीसदी घटकर 84407 रुपये प्रति किलो बोला गया। इनके अलावा चांदी-मिनी अगस्त वायदा 1130 रुपये या 1.32 फीसदी की मंदी रही और यह कॉन्ट्रैक्ट 84425 रुपये प्रति किलो हुआ। जबकि चांदी-माइक्रो अगस्त वायदा 1181 रुपये या 1.38 फीसदी गिरकर

नैचुरल गैस-मिनी सिंटेसिस वायदा 20 पैसे या 0.11 फीसदी के सुधार के साथ 174.4 रुपये प्रति एमएमबीटीयू हुआ। कृषि जिनमें में मेंथा ऑयल सिंटेसिस वायदा सत्र के आरंभ में 980.5 रुपये पर खलकर, 80 पैसे या 0.08 फीसदी बढ़कर 984 रुपये प्रति किलो के भाव से कारोबार हो रहा था। कॉटन केंडी सिंटेसिस वायदा 220 रुपये या 0.38 फीसदी और चांदी सिंटेसिस वायदा 220 रुपये या 0.38 फीसदी बढ़कर 984 रुपये प्रति किलो के भाव से कारोबार हो रहा था। कॉटन केंडी सिंटेसिस वायदा 220 रुपये या 0.38 फीसदी बढ़कर 984 रुपये प्रति किलो के भाव से कारोबार हो रहा था। कॉटन केंडी सिंटेसिस वायदा 220 रुपये या 0.38 फीसदी बढ़कर 984 रुपये प्रति किलो के भाव से कारोबार हो रहा था। कॉटन केंडी सिंटेसिस वायदा 220 रुपये या 0.38 फीसदी बढ़कर 984 रुपये प्रति किलो के भाव से कारोबार हो रहा था। कॉटन केंडी सिंटेसिस वायदा 220 रुपये या 0.38 फीसदी बढ़कर 984 रुपये प्रति किलो के भाव से कारोबार हो रहा था।

## प्रधानमंत्री उज्वला योजना की वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य संगठन ने सराहना की



**बिज़नेस रेमेडीज/मुंबई/आईएनएस**

प्रधानमंत्री उज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत भारत में गांवों में बड़े स्तर पर एलपीजी सिलेंडर दिए जाने के कारण लकड़ी और कोयले के चूल्हों से होने वाले प्रदूषण में कमी आई है और इससे सालाना करीब 1.5 लाख जीवन को बचाने में मदद मिल रही है। वैश्विक स्वास्थ्य संस्था वाइटल स्ट्रेटिजी की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में जोर देकर कहा गया है कि प्रधानमंत्री उज्वला योजना के तहत एलपीजी पर दी जा रही सब्सिडी नागरिकों के स्वास्थ्य को देखते हुए बिल्कुल उचित है, क्योंकि चूल्हों से घरों के अंदर और बाहर वायु प्रदूषण होता है। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि घरों में होने वाला वायु प्रदूषण भारत में होने वाले वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों में से एक है। इससे ग्रामीण लोगों की सेहत पर तो असर पड़ता ही है, शहरी इलाकों में वायु की गुणवत्ता भी खराब होती है। एलपीजी जैसी स्वच्छ ऊर्जा के घरों में इस्तेमाल से घरों में वायु प्रदूषण कम होगा और पब्लिक हेल्थ में सुधार होगा। रिपोर्ट में कहा गया कि पीएमयूवाई प्रोग्राम सरकार का गरीब परिवारों तक स्वच्छ ऊर्जा पहुंचाने का एक फ्लैगशिप प्रोग्राम है। इससे गरीब परिवार तक एलपीजी पहुंचाने में अभूतपूर्व सफलता मिली है। स्टडी में कहा गया कि सरकार की योजना के कारण जनता को 37 लाख हेल्दी इयर्स का फायदा हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया कि एलपीजी के अधिक उपयोग के कारण प्रदूषण स्तर में कमी आई है, जो तेलंगाणा में 4 प्रतिशत से लेकर बिहार में 28 प्रतिशत तक है। इस महीने की शुरुआत में केंद्रीय पेट्रोलियम और नेचुरल गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने लोकसभा में बताया था कि पीएमयूवाई के तहत 10.33 करोड़ (1 अगस्त, 2024 तक) डिपॉजिट-फ्री एलपीजी कनेक्शन बाटे जा चुके हैं।

## ‘ओद्यौगिक क्लस्टर्स आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाले इंजन की तरह’

**बिज़नेस रेमेडीज/नई दिल्ली**

ओद्यौगिक क्लस्टर्स आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाले इंजन की तरह हैं जो बड़ी संख्या में नौकरियां उत्पन्न करते हैं। वेदांता दो ओद्यौगिक पार्क स्थापित करने जा रही है, एक एल्यूमिनियम के लिए और दूसरा जिंक एवं सिल्वर के लिए। इनका निर्माण गैर-लाभ आधार पर किया जाएगा। एंकर इंडस्ट्री के रूप में वेदांता कच्चे माल और ऊर्जा, खासतौर पर नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति को सुनिश्चित करेगी। उद्यमी सैंकडें, हजारों डाउनस्ट्रीम उद्योगों और संबंधित उद्यम स्थापित कर सकते हैं। हम तेल एवं गैस तथा आयर्न एवं स्टील के लिए भी इसी तरह के पार्कों की स्थापना पर विचार करेंगे। एक ओद्यौगिक



पार्क बड़े पैमाने पर निर्माण की प्रतिस्पर्धा बढ़ा सकता है। इससे कच्चे माल के परिवहन की लागत में कमी आती है। ऊर्जा को किफायती दरों पर प्राप्त किया जा सकता है। यह सभी के लिए बुनियादी ढांचे की तरह होगा। इससे कंपनियों के बीच तालमेल बनेगा, जिससे वे लाभ उठा सकेंगे। भारत के लिए ओद्यौगिक पार्क विभिन्न क्षेत्रों और मूल्य श्रृंखला में पैमाना बढ़ाने का अच्छा तरीका है। ये न सिर्फ उद्यमियों के लिए बल्कि कर्मचारियों के लिए भी बदलावकारी होंगे, जो क्लस्टर में सर्वश्रेष्ठ टाउनशिप एवं सुविधाओं से लाभान्वित हो सकेंगे। यह मॉडल दुनिया भर में प्रमाणित हो चुका है। मुझे खुशी है कि वेदांता खनिज, धातु एवं ऊर्जा क्षेत्रों में अग्रणी है। मेरे लिए सबसे अधिक संतोषजनक तथ्य यह है कि मुझे एमएसएमई को विकसित होते, फलते-फूलते देखने का अवसर मिल रहा है। ओद्यौगिक पार्क इन सभी को सक्षम बनाएंगे।

## RSWM Limited ने लॉन्च किया अपना नया कैपेन ‘फॉर ऑल रीज़न्स, फॉर ऑल सीज़न्स’; छह दशकों के इनोवेशन और भरोसे का जश्न

**बिज़नेस रेमेडीज/नई दिल्ली**

LNJ Bhilwara Group की प्रमुख कंपनी RSWM ने अपने नए डिजिटल कैपेन ‘फॉर ऑल रीज़न्स, फॉर ऑल सीज़न्स’ का अनावरण किया। कंपनी पिछले छह दशकों से उच्च गुणवत्ता के टेक्सटाइल प्रोडक्ट्स के माध्यम से भारतीयों के जीवन को समृद्ध बना रही है। कैपेन एक शॉर्ट फिल्म के जरिए दर्शाता है कि किस तरह टैंड के धागे और कपड़े कई पीढ़ियों से परिवारों के साथ जुड़े हुए हैं। यह फिल्म जीवन की कई अवस्थाओं से जुड़ी भावनाओं पर रोशनी डालती है। फिल्म दर्शाती है कि RSWM के धागों से बने कपड़े बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर उम्र और हर वर्ग के लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। फिल्म में जीवन के उतार चढ़ाव के साक्षी रहे इन धागों की कहानी बतायी जाती है, कैसे यह धागे आपके जीवन के विभिन्न जज्बातों को समेटते हैं और आपके जीवन को रंगीन बनाते हैं। अंत में RSWM के कर्मचारी फैक्टरी में बड़ी मशीनों को ऑपरेंट करते नज़र आते हैं, ये दृश्य हर धागे के पीछे छिपे वर्कर्स की मेहनत पर रोशनी डालता है। कैपेन दर्शाता है कि हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। पिछले कारीगर की मेहनत का परिणाम है और RSWM सर्वोच्च गुणवत्ता के उत्पादों के साथ दुनिया भर में लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है। ब्राण्ड की यात्रा पर बात करते हुए रीजु झुनझुनवाला, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, RSWM Limited ने कहा, “RSWM में बनाया गया हर धागा कारीगरी, इनोवेशन और गुणवत्ता के लिए हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। पिछले 28 दशकों से हम दुनिया के कोने-कोने में पहुंच कर अनगिनत लोगों से जुड़े हैं। इस यात्रा में हम सस्टेनेबिलिटी एवं इनोवेशन को अपनाते हुए प्रगति के पथ पर बढ़ते रहे हैं।” लॉन्च के अवसर पर बी.एम. शर्मा, जॉइन्ट मैनेजिंग डायरेक्टर, RSWM ने कहा, “फॉर ऑल रीज़न्स, फॉर ऑल सीज़न्स” एक कैपेन से कहीं बढ़कर है। हमारे प्रोडक्ट्स कई पीढ़ियों से लोगों के जीवन का हिस्सा बने हुए हैं, यह कैपेन उस संबंध को दर्शाता है। रीसायकल फाइबर से लेकर, सिंथेटिक, कॉटन, मेलान्ज और सस्टेनेबल यार्न, डेनियम और निटेड फैब्रिक तक हमारे प्रोडक्ट्स हमारी विविधता और उत्कृष्टता का प्रतीक हैं। RSWM समय के हर पड़ाव पर अपने उपभोक्ताओं की उम्मीदों पर खरे उतरते रहे हैं और हमें अपनी प्रगति पर गर्व है।” RSWM सस्टेनेबिलिटी और नैतिक प्रथाओं को भी महत्व देती है तथा सुनिश्चित करती है कि इनके प्रोडक्ट्स पर्यावरण संरक्षण एवं गुणवत्ता के सर्वोच्च मानकों पर खरे उतरें। इनोवेशन्स और आधुनिक तकनीकों के द्वारा यह ऐसे प्रीमियम टेक्सटाइल प्रोडक्ट्स बनाती है जो देशी-विदेशी व्यापार की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। इस डिजिटल-फुल्ट कैपेन को विभिन्न प्लेटफॉर्म्स जैसे सोशल मीडिया और कर्पनी की वेबसाइट पर रोल-आउट किया जाएगा। इसका उद्देश्य मौजूदा एवं नए उपभोक्ताओं के साथ गहरे रिश्ते बनाना है। जो टेक्सटाइल उद्योग में गुणवत्ता एवं इनोवेशन के लिए टैंड की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

## विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए करेंगे विदेश का दौरा : सीएम मोहन यादव

**बिज़नेस रेमेडीज/भोपाल/आईएनएस**

मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए कोशिशों का दौर जारी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि उनकी सरकार निवेशकों के भरोसे पर खरा उतरेगी। साथ ही विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए विदेश का दौरा भी करेंगे। ग्वालियर में आयोजित रीजनल इंस्ट्रियल कॉन्क्लेव को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा, इस इन्वेस्टर समिट में अब तक हुए सभी इन्वेस्टर समिट से बेहतर परिणाम आने की उम्मीद है। क्षेत्रीय स्तर पर औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश के विभिन्न भागों में की जा रही इन्वेस्टर समिट के परिणाम प्रोत्साहित करने वाले हैं। उद्योग समूहों और निवेशकों ने मध्य प्रदेश सरकार पर भरोसा जताया है। राज्य सरकार उनकी अपेक्षाओं पर खरी उतरने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, इन्वेस्टर समिट प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के उद्योगपति भी अपनी गतिविधियों को विस्तार दें और प्रदेश के युवा अपने उद्यम आरंभ करें, राज्य सरकार हर संभव सहयोग देने के लिए तत्पर है। मुख्यमंत्री यादव ने आगे कहा कि समिट जीडीपी बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। समिट में शिक्षा, एमएसएमई, भारी उद्योग और कृषि अभियांत्रिकी सहित सभी सेक्टर को शामिल किया गया है। राज्य सरकार ने उद्योग और उद्यमशीलता में युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष अभियान आरंभ किया है, इसके अंतर्गत गतिविधियां जारी है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रदेश में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के लिए उद्योगपतियों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से वे कोलकाता में सितंबर में रोड शो करेंगे। इसके साथ ही 27-28 सितंबर को सागर और अक्टूबर में रोवा में भी इन्वेस्टर समिट होगा। प्रदेश में विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए नवंबर माह में विदेश यात्रा भी प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि प्रसन्नता का विषय है कि प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन के लिए लागू की गई नीतियों और व्यवस्था के प्रति उद्योगपति और निवेशक विश्वास व्यक्त कर रहे हैं। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री यादव राज्य में निवेश को बढ़ाने के लिए प्रदेश के बाहर भी जा रहे हैं, वहीं राज्य में अब तक उज्जैन तथा जबलपुर में क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं।

## पॉलिसीबाजार फॉर बिजनेस और पैरामाउंट हेल्थ टीपीए ने बीमा कंपनियों के साथ मिलकर कैशलेस क्लेम के लिए कर्मचारी स्वास्थ्य बीमा में ‘15 मिनट एक्सप्रेस डिस्चार्ज’ लॉन्च किया

**बिज़नेस रेमेडीज/नई दिल्ली**

कैशलेस क्लेम के दौरान डॉक्टर द्वारा छुट्टी की मंजूरी देने और अस्पताल से वास्तविक छुट्टी मिलने के बीच लंबे समय तक इंतजार करने की आम शिकायत को संबोधित करने के लिए पॉलिसीबाजार इश्योरेंस ब्रोकर्स प्राइवेट लिमिटेड के ब्रांड, पॉलिसीबाजार फॉर बिजनेस ने पैरामाउंट हेल्थ टीपीए और इश्योरेंस कंपनियों के साथ मिलकर 15 मिनट एक्सप्रेस डिस्चार्ज सर्विस लॉन्च की है। आम तौर पर, डॉक्टर द्वारा डिस्चार्ज की मंजूरी देने के बाद, अस्पताल को विभिन्न विभागों के साथ समन्वय करने में 4 घंटे तक का समय लग सकता है, और फिर टीपीए को क्लेम पर लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। डिस्चार्ज सर्विस का उपयोग करने के लिए सहमति व्यक्त की। पॉलिसीबाजार फॉर बिजनेस के हेड और डायरेक्टर सज्जा प्रवीण चौधरी ने कहा, कि उपयोगकर्ता के दुष्क्रियण से स्वास्थ्य बीमा कितना अच्छा और उपयोगी है, इसकी असली परीक्षा तब होती है जब उन्हेक्लेम करने की आवश्यकता होती है। हमारे कॉर्पोरेट पार्टनर्स के लिए, एमएलसी वेल्फेयर सुनिश्चित करना और आसान क्लेम प्रक्रिया उनके एमएलसी बेनिफिट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमारी रिसेच से पता चलता है कि डिस्चार्ज के दौरान के अंदर डिस्चार्ज मिल जाए, जिससे आमतौर पर डॉक्टर्स तैयार करने में लगने वाले कीमती समय और मेहनत दोनों की बचत होती है। यह पहल महत्वपूर्ण चरणों के दौरान भावनात्मक तनाव को काफी कम करती है और कस्टमर सर्विस एक्सपीरियंस, जिससे यह इसमें शामिल सभी हितधारकों के लिए फायदेमंद हो जाता है। यह सेवा बेहतरीन ग्राहक सेवा प्रदान करने और स्वास्थ्य सेवा को सुचारू रूप से चलाने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाती है। कुशल और स्पष्ट होने पर ध्यान केंद्रित करना, हम कठिन समय के दौरान तनाव को कम करना चाहते हैं और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवा मिले।



लंबे समय तक इंतजार करना लोगों के लिए एक बड़ी निराशा है। पॉलिसीबाजार में, हम अपने इश्योरेंस पार्टनर्स के साथ वर्षों से प्रोडक्ट और प्रक्रिया इन्वेस्टमेंट में सबसे आगे रहे हैं और हमने अपने पार्टनर्स के साथ इस मुद्दे का समाधान करने का निर्णय लिया है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि यह पहल क्लेम के लिए टीपीटी को कम करने की आईआरडीएआई की हानियां पहल के अनुरूप इश्योरेंस इंडस्ट्री में बहुत जरूरी बदलाव लाने के लिए एक उदाहरण स्थापित करेगी। पैरामाउंट हेल्थ टीपीए के चीफ ओपरेटिंग ऑफिसर आत्मान शाह ने कहा, कि एक्सप्रेस डिस्चार्ज सुनिश्चित करता है कि बीमित व्यक्तियों और उनके परिवारों को मिनटों में कार्य किया जा रहा है। लेकिन, कार्य अभी पूरा नहीं हो सका है। हमने तब तक के लिए यातायात आवाजाही के लिए रुक जायेंगे। पीडब्ल्यूडी सचिव पंकज पाण्डेय ने बताया, पिछले साल 200 से अधिक लैडस्लाइड जोन चिन्हित किए गए थे। जिनमें 100 से अधिक पर इस साल बरसात से पहले काम शुरू कर दिया गया था और इस काम में खर्च अधिक आता है, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकार, पीडब्ल्यूडी के साथ-साथ आवाजाही के साथ-साथ पीएमयूवाई के साथ-साथ अन्य प्रबंधन विभाग से भी पैसा मिला है। उन्होंने कहा है कि हमारा प्रयास है कि जल्द से जल्द इन सभी जगह को ठीक कर यातायात आवाजाही के लिए खोल दिया जाए।

## बारिश और लैडस्लाइड से बंद हुई कई सड़कों को जल्द ही खोला जाएगा : पीडब्ल्यूडी सचिव

**बिज़नेस रेमेडीज/देहरादून/आईएनएस**

मानसून के दिनों में उत्तराखंड में भारी बारिश और लैडस्लाइड होने से यहां की सड़कों पर मलबा और पत्थर जमा हो जाता है। जिसकी वजह से देवभूमि में कई सड़कों पर यातायात आवाजाही बंद हो जाती है। सड़क बंद होने से बाहर से आने वाले यात्रियों को भी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में प्रशासन द्वारा यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए रूट डायवर्ट किया जाता है। उत्तराखंड के लैडस्लाइड जोन में पीडब्ल्यूडी विभाग के कर्मचारी तेजी से काम कर रहे हैं। माना जा रहा है कि जल्द ही कई सड़कों को यातायात आवाजाही के लिए खोल लिया जाएगा। पीडब्ल्यूडी विभाग के सचिव पंकज पाण्डेय ने बुधवार सुबह इस संबंध में अधिकारियों के साथ मीटिंग की। जानकारी के अनुसार मीटिंग के बाद उन्होंने बताया कि राज्य में खराब सड़कों को लेकर अफसरों के साथ मीटिंग की गई है। प्रदेश में बारिश और मलबा आने से सड़कें खराब हुईं थी। उन्होंने कहा कि 83 सड़कें खराब हुईं थी, जिसमें अधिकतर आज से खोल दी जाएगी, जहां सड़कें ठीक नहीं हों वहां रूट डायवर्ट किया गया है। जो सड़कें अभी बंद हैं, उनमें एक नेशनल हाईवे है जो बर्दनाथ धाम को जाता है। यहां नंप्रयाग के पास काफी दिनों से मलबा और पत्थर आ रहा है। लगातार वहां पर कार्य किया जा रहा है।

आर्टिफिशियल फ्लॉवर, प्लांट्स और डेकोरेटिव उत्पाद निर्माण क्षेत्र में कार्यरत प्रमुख कंपनी है 'इंटीरियर्स एंड मोर लिमिटेड' कंपनी ने जयपुर में जया डेकोर के साथ एमओयू के तहत खोला स्टोर



**बिजनेस रेमेडीज/जयपुर।** मुंबई आधारित 'इंटीरियर्स एंड मोर लिमिटेड' धारीवाल रजिस्ट्रार कार्यालय के अंतर्गत जयपुर में जया डेकोर के साथ एमओयू के तहत खोला स्टोर। 'इंटीरियर्स एंड मोर लिमिटेड' धारीवाल रजिस्ट्रार कार्यालय के अंतर्गत जयपुर में जया डेकोर के साथ एमओयू के तहत खोला स्टोर।

यह करती है कंपनी: वर्ष 2012 में कंपनी का इनकॉर्पोरेशन हुआ था। इंटीरियर्स एंड मोर लिमिटेड की स्थापना मनीष टिबरेवाल और राहुल ड्युनड्युनवाला ने की थी। कंपनी के पास आर्टिफिशियल फ्लॉवर, गिफ्ट आइटम, घर, कार्यालयों और मॉल, बैंकवेत हॉल आदि जैसे अन्य प्रतिष्ठानों के लिए सजावट कार्य करने के क्षेत्र में समृद्ध अनुभव है।

पिछले 12 वर्षों की अवधि में, कंपनी ने न सिर्फ घरेलू बाजार में आर्टिफिशियल फ्लॉवर और उनके द्वारा निर्मित अन्य सजावटी वस्तुओं की बिक्री में वृद्धि की है, बल्कि चीन, वियतनाम, थाईलैंड, फिलीपींस और इंडोनेशिया से अन्य घरेलू और शहीदी की सजावट के उत्पादों के आयात को शामिल करके अपने पोर्टफोलियो का विस्तार भी किया है।

इन वर्षों में कंपनी कॉर्पोरेट, बीटूसी और बीटूसी सेगमेंट में एक मजबूत ग्राहक बनाने में सक्षम रही है। कंपनी का पूरा कारोबारी परिचालन असेट लाइट मॉडल पर आधारित है। कंपनी के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में 8000 से ज्यादा एसकेयू शामिल हैं। कंपनी को अपने कुल कारोबार का करीब 80 फीसदी रिपीट कस्टमर से प्राप्त होता है। कंपनी का मुंबई स्थित बालरेड एस्टेट पर 10000 स्क्वायर फीट में शोरूम स्थापित है। इसके अलावा मुंबई के अंधेरी वेस्ट में 2000 स्क्वायर फीट क्षेत्र में कंपनी का एकसक्विसिव शोरूम स्थापित

है। कंपनी की विनिर्माण सुविधा गुजरात में स्थित है। यह निर्माण इकाई उत्पादन के लिए सभी आवश्यक उपकरणों, गुणवत्ता नियंत्रण के लिए परीक्षण उपकरण और कुशल असेंबली और सरल लॉजिस्टिक्स को सक्षम करने के लिए अतिरिक्त हैंडलिंग आपूर्ति से पूरी तरह सुसज्जित है।

कंपनी की दो सुसज्जित विनिर्माण इकाइयों हैं। एक उमरगांव, गुजरात में स्थित है और इसका क्षेत्रफल 57,000 वर्ग मीटर है। दूसरी इकाई उमरगांव, गुजरात में स्थित है और इसका माप 7,000 वर्ग मीटर है। दोनों इकाइयों में कंपनी के व्यवसाय संचालन को सुचारू रूप से चलाने के लिए कंप्यूटर सिस्टम, इंटरनेट कनेक्टिविटी, संचार उपकरण, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाएं हैं। कंपनी का मुख्य कॉर्पोरेट कार्यालय फोर्ट, मुंबई में स्थित है। यहां, कंपनी अपनी सभी प्रशासनिक और रिपोर्टिंग आवश्यकताओं और फ्रैंचिजरी सहायता का प्रबंधन करती है। वर्तमान में कंपनी में 100 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं।

## धारीवालकॉर्प लिमिटेड ने जोधपुर में नई मसाला और कृषि प्रसंस्करण इकाई शुरू करने की घोषणा की



**बिजनेस रेमेडीज/जोधपुर।** धारीवालकॉर्प लिमिटेड ('कंपनी') ने प्रसंस्करण उद्योग में क्रांति लाने के उद्देश्य से एक रोमांचक नई परियोजना के शुभारंभ की घोषणा की है। कंपनी राजस्थान के जोधपुर में एक अत्याधुनिक प्रसंस्करण इकाई की स्थापना के साथ अपने परिचालन का विस्तार कर रही है। यह पहल मेक इन इंडिया अभियान के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को भारत में अपने उत्पाद बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, नौकरियां पैदा होंगी और आर्थिक विकास में वृद्धि होगी। मसालों और कृषि उत्पादों की सकाई, ग्रेडिंग, छंटाई और पैकेजिंग पर ध्यान केंद्रित करने वाली नई परियोजना खसरा नंबर 1237/869, ग्राम सालावास, जोधपुर, राजस्थान में स्थित होगी। भारत के प्रमुख



मसाला उत्पादक क्षेत्रों में से एक में इस रणनीतिक स्थान (जोधपुर, राजस्थान) से मसाला प्रसंस्करण की गुणवत्ता और दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

इस परियोजना में 7200 मीटर टन प्रति वर्ष की क्षमता वाली प्रसंस्करण इकाई की स्थापना शामिल है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान जोर, धनिया, सौंफ, मेथी आदि जैसे बीज मसालों के महत्वपूर्ण उत्पादक हैं। धारीवालकॉर्प लिमिटेड ने इस क्षेत्र में कच्चे माल की प्रचुर उपलब्धता के साथ मसालों और कृषि उत्पादों की मजबूत मांग को

पहचानते हुए एक गहन बाजार मूल्यांकन किया है। यह नई परियोजना क्षेत्रीय शक्ति को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के कंपनी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस प्रसंस्करण इकाई की स्थापना से न केवल मसाला उद्योग में कंपनी की उपस्थिति बढ़ेगी बल्कि स्थायी विकास में भी योगदान मिलेगा और हितधारकों के लिए मूल्य पैदा होगा। इस परियोजना से प्रसंस्करण क्षमताओं को बढ़ाने और उच्च गुणवत्ता वाले मसाले और कृषि उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने की उम्मीद है।

हालांकि, इकाई का प्राथमिक ध्यान निर्यात पर होगा जो अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने के लिए एक रणनीतिक कदम का संकेत देगा, जिससे देश के निर्यात राजस्व को बढ़ावा मिलेगा और भारतीय मसालों के लिए वैश्विक पदचिह्न तैयार होगा। इसके अलावा, कंपनी को अगले 7 वर्षों के लिए केंद्र सरकार से ब्याज सब्सिडी, राजस्थान सरकार से पूंजीगत सब्सिडी और राजस्थान सरकार से विभिन्न अन्य प्रोत्साहनों जैसे विभिन्न रूपों में सरकारी सहायता प्राप्त होगी, जिसमें कर छूट, उपयोजिता सब्सिडी या बुनियादी ढांचे को समर्थन जैसे लाभ शामिल होंगे। कुल मिलाकर, यह पहल विकास, नवाचार और बाजार प्रविष्टि या के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है जो न केवल जोधपुर में स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी बल्कि भारत की विनिर्माण क्षमताओं और वैश्विक व्यापार उपस्थिति को बढ़ाने के व्यापक उद्देश्यों पर भी प्रकाश डाल रही है। कंपनी अपने निवेशकों के साथ पारदर्शिता और खुला संचार बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि कंपनी अपने सभी हितधारकों के लिए मूल्य बनाने का प्रयास कर रही है।

## 'इंसोलेशन एनर्जी लिमिटेड' को मिला रेज़ ग्रीन एनर्जी मैन्युफैक्चरिंग से 34.21 करोड़ रुपए का ऑर्डर

**बिजनेस रेमेडीज/जयपुर।** जयपुर आधारित प्रमुख सोलर पीवी माइड्यूल्स निर्माता कंपनी 'इंसोलेशन एनर्जी लिमिटेड' ने शेरार बाजारों को सूचित किया है कि कंपनी को जयपुर आधारित रेज़ ग्रीन एनर्जी मैन्युफैक्चरिंग से करीब 34.21 (जोएस्टी सहित) करोड़ रुपए का ऑर्डर मिला है। ऑर्डर के तहत कंपनी को 24.985 मेगावॉट क्षमता के 545 डब्ल्यूपी एसपीवी पैनलस् आपूर्ति करने



होंगे। कंपनी को यह आपूर्ति वित्त वर्ष 2024-25 में पूरी करनी होगी।

यह करती है कंपनी: इंसोलेशन एनर्जी लिमिटेड (आईएनए) एक प्रमुख राष्ट्रीय सौर ऊर्जा प्रदाता है और सौर इंजीनीयर्स

में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता है। बीएसई एसएमई सूचीबद्ध कंपनी ने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के साथ भारत के ऊर्जा-परिदृश्य को बदलते हुए 500 मेगावट से अधिक सौर पीवी माइड्यूल्स का नवाचार, विकास, इंजीनियरिंग और निर्माण किया है।

कंपनी का अत्यधिक कुशल उत्पाद पोर्टफोलियो बेहतर कारोबारी संभावनाओं को सुनिश्चित करता है और विभिन्न

अनुप्रयोगों में अद्वितीय तकनीकी लाभ प्रदान करता है। कंपनी पॉली और मोनो क्रिस्टलीय सोलर पीवी माइड्यूल्स और हाफ कट, ड्युअल ग्लास (ग्लास से ग्लास), बीआईपीवी, पॉली, मोनोफेजियल/बिफेजियल, टॉपकॉक माइड्यूल्स जैसे नवीन उत्पादों की आपूर्ति करते हैं। कंपनी के देश में निर्मित सोलर पैनल BIS और ALMM अनुमोदित हैं और L, NISE, CE, BIS-IS:14286 द्वारा प्रमाणित हैं।

## बीमा। बैंकिंग। ज्वैलरी

## गुजरात मेडिकल काउंसिल ने आईसीआईसीआई लोम्बार्ड के साथ हुए बीमा धोखाधड़ी के शिकायत पर कार्रवाई की

बिजनेस रेमेडीज/मुंबई

आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इश्योरेंस कंपनी की बीमा क्षेत्र में नैतिक प्रथाओं के प्रति प्रतिबद्धता को उजागर करने वाले एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में गुजरात मेडिकल काउंसिल (जीएमसी) ने स्वास्थ्य बीमा के संदिग्ध दावों के मामले में शामिल दो डॉक्टरों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की है।

आईसीआईसीआई लोम्बार्ड द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद, जीएमसी ने मामले की गहन जांच की। नतीजतन,



काउंसिल ने गुजरात में दो मेडिकल प्रैक्टिशनरों के पंजीकरण को एक महीने की अवधि के लिए निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई संभावित धोखाधड़ी गतिविधियों का पता लगाने और उसे रिपोर्ट करने में बीमा कंपनी की सतर्कता के महत्व को रेखांकित करती है। जांच से पता चला कि संबंधित डॉक्टरों ने आईसीआईसीआई लोम्बार्ड को

संदिग्ध दावे प्रस्तुत किए थे, जिसमें अस्पताल में भर्ती होने के फर्जी रिकॉर्ड और चिकित्सा उपचारों का मिथ्य विवरण शामिल था। विशेष रूप से, यह पाया गया कि डॉक्टरों ने मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने के झूठे दस्तावेज तैयार किए, ऐसे उपचार दिखाने के लिए चिकित्सा रिकॉर्ड में हेरफेर की जो कभी हुए ही नहीं और उन्हें अन्य चिकित्सा पेशेवरों की

साख का दुरुपयोग करने का दोषी पाया गया। इन कार्रवाइयों का उद्देश्य स्पष्ट रूप से गैर-मौजूद या अतिरिक्त चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए गलत तरीके से बीमा लाभ का दावा करना था। इस तरह की धोखाधड़ी गतिविधियों से न केवल बीमा कंपनियों के लिए वित्तीय जोखिम उत्पन्न होता है, बल्कि स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की अखंडता एवं चिकित्सा पेशेवरों पर जो लोगों को भरोसा है वह भी खतरों में आ जाता है। इन संदिग्ध दावों की पहचान करने और रिपोर्ट करने में आईसीआईसीआई

लोम्बार्ड का सक्रिय दृष्टिकोण बीमा पारिस्थितिकी तंत्र को अखंडता को बनाए रखने के प्रति उसके समर्पण को दर्शाता है। धोखाधड़ी की प्रथाओं के खिलाफ कदम उठाकर, कंपनी जिम्मेदार कॉर्पोरेट व्यवहार पर अपने रुख एवं अपने पॉलिसीधारकों और व्यापक जनता के हितों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुष्टि करती है। यह घटना धोखाधड़ी की प्रथाओं के खिलाफ स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की सुरक्षा में बीमा कंपनियों द्वारा निर्भाई जाने वाली भूमिका को याद दिलाती है।

## चीनी मुद्रा में दुनिया का पहला एसजीएस बांड फ्रैंकफर्ट में सूचीबद्ध

बिजनेस रेमेडीज/बीजिंग/आईएनएएस

दुनिया का पहला आरएमबी एसजीएस बांड 26 अगस्त को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया गया। आरएमबी चीनी मुद्रा के लिए लिखा जाता है।

जानकारी के अनुसार एसजीएस तीन प्रकार के ऋणों के संग्रह का संक्षिप्त रूप है-सतत विकास से जुड़े ऋण, हरित ऋण और सामाजिक उत्तरदायित्व ऋण। बैंक ऑफ चाइना की आधिकारिक वेबसाइट ने हाल ही में घोषणा



की कि बैंक ऑफ चाइना की फ्रैंकफर्ट शाखा ने 13 अगस्त को 2.5 अरब युआन के पैमाने पर और दो साल की निश्चित ब्याज दर के साथ सफलतापूर्वक एसजीएस बांड जारी किए। बैंक ऑफ चाइना की फ्रैंकफर्ट शाखा

के प्रभारी ने 26 तारीख को फ्रैंकफर्ट स्टॉक एक्सचेंज में आयोजित लिस्टिंग समारोह में कहा कि आरएमबी एसजीएस बांड को वैश्विक निवेशकों से व्यापक ध्यान और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

## जन-धन योजना ने करोड़ों भारतीयों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ा : सीएम

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली/आईएनएएस

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 'जन-धन योजना' के 10 साल पूरे होने पर कहा कि योजना ने करोड़ों भारतीयों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा है।

मुख्यमंत्री धामी ने अपनी सोशल मीडिया एक्स से पोस्ट करते हुए लिखा, सशक्त वित्तीय समावेशन का 1 दशक पूर्ण ! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की जन-धन योजना के माध्यम से 10 वर्षों में देश के वित्तीय समावेशन की दिशा में एक क्रांतिकारी बदलाव आया है। इस योजना ने करोड़ों भारतीयों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़कर वित्तीय सुरक्षा को सुनिश्चित किया है और आर्थिक



स्वतंत्रता की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 10 साल की इस यात्रा में, जन-धन योजना से सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग भी मुख्यधारा में शामिल हुए हैं। इस योजना की सफलता के साथ हम सभी को एक सशक्त और समृद्ध भारत की ओर बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने अपने दूसरे पोस्ट में लिखा, 'बैंकिंग सेवा से जुड़ रहा उत्तराखंड का जन-जन'।

प्रधानमंत्री जनधन योजना भारत में आर्थिक क्रांति का सूत्रपात है जिससे करोड़ों नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में उत्तराखंड में भी गरीब एवं वंचित वर्ग को जनधन योजना के अंतर्गत बैंकिंग से जोड़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता एवं जनधन खातों ने देश के वित्तीय समावेशन को नए आयाम दिए हैं। उन्होंने बताया

कि जन धन योजना के तहत प्रदेश में 36.64 लाख खाते खोले गए। 24.43 रुपे कार्ड जारी किए गए। बता दें कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के 10 साल पूरे हो गए हैं।

सरकार ने 28 अगस्त 2014 को इस योजना की शुरुआत की थी। जनधन योजना के जरिए सरकार देश के गरीब, वंचित तबके को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ने में कामयाब रही है। इसके साथ साथ ही डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर यानी डीबीटी के माध्यम से सोशल सिव्योरिटी स्कीम्स का भी फायदा सीधे लाभार्थियों तक इसके जरिए पहुंचाया जा रहा है।

## 'भारत और जीसीसी देशों का द्विपक्षीय व्यापार 162 अरब डॉलर पहुंचा, निर्यात में हुई वृद्धि'

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली/आईएनएएस

भारत और गल्फ कॉर्पोरेशन काउंसिल (जीसीसी) के बीच द्विपक्षीय व्यापार बीते वर्ष बढ़कर 162 अरब डॉलर का हो गया है। सरकार की ओर से यह जानकारी दी गई है।

विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (गल्फ) असीम पी. महाजन ने कहा कि जीसीसी की भारत के कुल व्यापार में हिस्सेदारी 15 प्रतिशत की हो गई है। इन देशों का एनर्जी, डिफेंस, सिव्योरिटी और हेल्थ जैसे बड़े क्षेत्रों में अहम योगदान है। राष्ट्रीय राजधानी में हुए फिक्की के एक इवेंट में उन्होंने कहा कि कुल व्यापार के आंकड़े में उत्तर-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, लेकिन जीसीसी देशों



को भारत का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारत की ओर से जीसीसी देशों को कई प्रकार के प्रोसेस फूड्स, ज्वेलरी, सिंथेटिक फाइबर और यार्न, कपड़ा, फार्मास्यूटिकल्स और इंजीनियरिंग सामान और केमिकल उत्पादों का निर्यात किया जाता है। महाजन ने कहा कि भारत और गल्फ देशों के बीच सांस्कृतिक और द्विपक्षीय

व्यापार मजबूत है। तेल के आयात में वृद्धि होने के कारण जीसीसी के साथ भारत के आर्थिक संबंधों में काफी सुधार हुआ है। 2022 के सरकारी डेटा के मुताबिक, जीसीसी देशों की ओर से तेल आयात में 35 प्रतिशत और गैस आयात में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी है। 2021-22 में भारत ने जीसीसी देशों से 48 अरब डॉलर का कच्चा तेल

आयात किया था। वहीं, 2021-22 के दौरान 21 अरब डॉलर का एलएनजी और एलपीजी आयात की थी। वित्त वर्ष 2017-18 से भारत और जीसीसी देशों का व्यापार 10.57 प्रतिशत के सीएजीआर (कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ रहा है।

इस साल फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर की यात्रा की थी। यहां पर प्रधानमंत्री की ओर से द्विपक्षीय व्यापार को लेकर दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व से बातचीत की गई है। वित्त वर्ष 2022-23 में यूएई के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 85 अरब डॉलर का था। इस दौरान भारत और कतर के बीच द्विपक्षीय व्यापार 20 अरब डॉलर का था।



## अवतिपुर के मंदिरों के खंडहर भी हैं पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र

बिजनेस रेमेडीज/कश्मीर

कश्मीर वादी सिर्फ अपनी खूबसूरती या डल झील के लिए ही जानी जाती है, ऐसा सोचना गलत है क्योंकि खूबसूरती के अतिरिक्त 'धरती के स्वर्ग' पर सैंकड़ों ऐसी वस्तुएं हैं जो अपना एक अलग ही आकर्षण रखती हैं और जिन्को देखने के लिए विश्व भर से लोग आते रहते हैं। इन वस्तुओं में युगों पुराने स्मारक तथा कई अन्य महलों व मंदिरों के खंडहर भी शामिल हैं। जिनका आकर्षण आज भी उतना ही है जितना पहले कभी था।



थामानतनाग की ओर बढ़ते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाएं हाथ पर जो प्रथम खंडहर दिखते हैं वे शिवा-अवतिस्वर के मंदिर के खंडहर हैं। इस मंदिर की बड़ी-बड़ी दीवारें अवतिपुर से तीन मील दूर जुरबोर गांव के बाहर हैं जो बिना आधार के रखी गई हैं तथा अति महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ विशालकाय भी हैं। यह मंदिर जो आज अंग-भंग हो चुका है एक विशाल बरामदे में स्थित था जिसके चारों ओर बड़े-बड़े पत्थरों से दीवार बनाई गई थी और पश्चिमी द्वार की ओर बांसुरी की तरह खम्बे तो थे लेकिन उनमें पीछे की ओर से कोई आला नहीं था। भीतर प्रवेश का रास्ता इसी दीवार के बीचों-बीच था जिसे एक अन्य दीवार दो भागों में विभक्त करती है। इसकी दीवारों पर किसी प्रकार की कोई कलाकृतियां नहीं उकेरी गई हैं। इसके आले तथा चौखटें पूरी तरह से सादे हैं जिन पर कोई कलाकृति नजर नहीं आती। बरामदे के केंद्र में यह मंदिर स्थित है और जिस चबूतरे पर इस मंदिर की आधारशिला रख कर इसका निर्माण किया गया है वह करीब दस फुट ऊंचा

है तथा 58 वर्ग फुट व्यास का है। इस चबूतरे के प्रत्येक कोने में 16 वर्ग फुट के अलग अलग चबूतरे जुड़े हुए हैं जो अपने आप में अलग अलग मंदिर, छोटे-छोटे रूप में, के खंडहर हैं। प्रत्येक तरफ से चबूतरे के ऊपर चढ़ने का रास्ता है और ऊपर चढ़ने के लिए सीढ़ियों का निर्माण किया गया है। ठीक उसी तरह जिस तरह पंडुरथन के मंदिर हैं। यह सीढ़ियां कोई छोटी-मोटी सीढ़ियां नहीं हैं बल्कि प्रत्येक सीढ़ी की चौड़ाई जहां सादे अठारस फुट के करीब है वहीं इनको बाहरी दीवारों से सहारा दिया गया है। इस मंदिर के जो चबूतरे हैं वे सिर्फ एक ही स्थान पर यही आभास देते हैं कि वे मंदिर की आधारशिला से जुड़े रहे होंगे जबकि अन्य स्थानों पर इन्हें संयुक्त दीवारों से जोड़ा गया है जो मंदिर के ऊपर से गिर पड़ी होंगी तथा कला का उत्कृष्ट नमूना पेश करती हैं जिन्हें देखने वाला ढंग रह जाता है। दक्षिणी-पूर्वी किनारे पर जो आधारशिला है वहां कला के उत्कृष्ट नमूने के भरपूर दर्शन होते हैं तथा यह नमूने उस काल की कला के

बारे में भी जानकारी देते हैं। मंदिर के आधार पर जो एकमात्र बाहरी शोभा आज बची हुई है वह मंदिर की कला का नमूना तो है ही साथ ही में बड़े आकार के खम्बे के मस्तक भी हैं जो समकोण होने के साथ-साथ पूरी तरह से सादगी लिए हुए हैं। जबकि एक खम्बा ऊपर भी टंगा है आज भी। बरामदे में इसके अतिरिक्त खंडयुक्त मेहराबों का क्रम भी नजर आता है जो छितराए हुए तो हैं ही साथ ही में कला के उत्कृष्ट नमूने भी माने जाते हैं। और इनमें सबसे बढ़िया कारीगरी के नमूनों में एक तो दक्षिणी सीढ़ी के सामने पड़ा एक खम्बा है मेहराब युक्त तो दूसरा फूलों से कारीगरी किया हुआ एक अन्य खम्बा जबकि इसके साथ ही एक अन्य खम्बा रखा गया जिसके आधार पर दो मेढ्रे आमने-सामने बैठे हुए हैं और एक युवती डमरू पर नाच दिखा रही है जो दो शेरों की आकृति वाले सिंहसन पर बैठिया गया है। बीचोंबीच हाथी की आकृति भी उकेरी गई है। हालांकि यह खंडहर आठवीं सदी के हैं लेकिन आज भी यह उत्तरे ही आकर्षित करते हैं।

## एंटीक मूर्ति से लेकर होममेड चॉकलेट तक, डलहौजी के बाजार में है सब अवेलेबल



बिजनेस रेमेडीज/हि. प्रदेश

हिमाचल प्रदेश में चंबा जिले का शहर डलहौजी सर्दियों में अपनी रूमानियत पर होता है। जब बर्फ पहाड़ों पर ही नहीं ऊंचे-ऊंचे पेड़ों और घरों की छतों पर भी अपनी ढाक जमा लेते हैं। उस समय इसे देखकर ऐसा लगता है जैसे आप हिमाचल में नहीं बल्कि कहीं विदेश में घूम रहे हैं। सर्दियों में इसी नजारे को देखने के लिए यहां टूरिस्टों की आवाजाही बढ़ जाती है। घूमने के अलावा डलहौजी से आप यूनिक्स आइटम्स की खरीददारी भी कर सकते हैं। तो आज यहां के चुनिंदा और बेहतरीन शॉपिंग डेस्टिनेशन के बारे में जानेंगे

**डलहौजी से इन चीजों की जरूर करें शॉपिंग**  
डलहौजी आने वाले पर्यटक

यहां गर्म कपड़े, चंबा चप्पल, चंबा जरीस (एक तरह की मिठाई), चंबा चुच (लाल व हरी मिर्च से तैयार मिश्रण), आर्टिफिशियल ज्वेलरी, चंबा शॉल, पीतल व तांबे से निर्मित कलाकृतियां खरीद सकते हैं।

**गांधी चौक**  
डलहौजी में शॉपिंग के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है गांधी चौक। जहां से टूरिस्ट ट्रेडिशनल बैग्स, डॉल्स, हैंडीक्राफ्ट्स और पर्स हर एक चीज की खरीददारी कर सकते हैं। एम्पोरियम से आप अच्छी वैराइटी वाले शॉल अपने साथ ले जा सकते हैं। दूर-दूर से आए टूरिस्ट यहां तिब्बती कार्पेट्स और हैंडीक्राफ्ट्स खरीदते हुए देखे जा सकते हैं। सुबह 10 बजे से लेकर शाम 7 बजे तक यह मार्केट खुली रहती है और सिर्फ मंगलवार को बंद रहती है।

यहां गर्म कपड़े, चंबा चप्पल, चंबा जरीस (एक तरह की मिठाई), चंबा चुच (लाल व हरी मिर्च से तैयार मिश्रण), आर्टिफिशियल ज्वेलरी, चंबा शॉल, पीतल व तांबे से निर्मित कलाकृतियां खरीद सकते हैं।

**बनीखेत बाजार**  
यह मार्केट खासतौर से तरह-तरह के स्मृतिचिह्नों और वूलन्स की शॉपिंग के लिए जानी जाती है। जो डलहौजी से 7 किमी की दूरी पर है। यहां से आप हर तरह के चीजों की शॉपिंग अपने बजट में कर सकते हैं। टूरिस्ट प्लेस होने के बावजूद यहां लोग मोलभाव कराया जा सकता है। बेशक ये मार्केट शहर से थोड़ा दूर तो है लेकिन अगर आप डलहौजी की यादें अपने साथ ले जाना चाहते हैं तो एक बार यहां आना तो बनता है।

**हिमाचल गिफ्ट एम्पोरियम**  
एम्पोरियम से आप हैंडीक्राफ्ट आइटम्स, बौद्ध ऑर्ट वर्क वाली चीजों, चांदी और तांबे के दिए जैसी कई चीजों की खरीददारी कर सकते हैं। स्थानीय लोगों द्वारा बनाए गए रंग-बिरंगे मिरर वर्क

आउटफिट्स, फटवेयर्स की शॉपिंग करनी हो तो डलहौजी के इस मार्केट आए।

**तिब्बती मार्केट में करें खरीदारी**  
गांधी चौक के समीप ही तिब्बती मार्केट में आप हर तरह की चीजें खरीद सकते हैं। इस संकरी, मगर लंबी मार्केट में दोनों ओर दुकानें स्थित हैं, जहां अक्सर पर्यटकों की भीड़ रहती है। रेडीमेड कपड़े, जूते, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, लकड़ी के उत्पाद आदि की खरीदारी कर सकते हैं। इसी तरह एक और तिब्बती मार्केट डलहौजी बस स्टैंड के समीप भी है। बस स्टैंड के समीप होटल मार्केट व्यू परिसर में एंटीक शॉप में पीतल व तांबे से बनी विभिन्न प्रकार की प्रतिमाएं खरीद सकते हैं। यहां पर पेंटिंग्स व लोकल हैंडमेड चॉकलेट भी उपलब्ध हैं।

## हेल्थ | लाइफस्टाइल | एजुकेशन

### उत्तर प्रदेश में 24 साल बाद संस्कृत विद्यालयों/महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति बढ़ाई गई

बिजनेस रेमेडीज/लखनऊ, आईएनएस

उत्तर प्रदेश सरकार ने संस्कृत विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति में वृद्धि का निर्णय लिया है। संस्कृत की पढ़ाई करने वाले इन छात्रों की छात्रवृत्ति 24 साल बाद बढ़ाई गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में लोकभवन में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य में संस्कृत विद्यालयों/महाविद्यालयों में अध्ययन करने वाली छात्र-छात्राओं के लिए वर्ष 2001 से

लागू वर्तमान छात्रवृत्ति दरों में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। इससे पहले 2001 में छात्रवृत्ति तय हुई थी। मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 14 प्रस्ताव रखे गए, जिनमें 13 को मंत्रिमंडल से अनुमोदन प्राप्त हो गया। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने बताया कि इसके अंतर्गत प्रथमा की कक्षा छह एवं सात के लिए 50 रुपये प्रतिमाह और कक्षा आठ के लिए 75 रुपये प्रतिमाह की छात्रवृत्ति निर्धारित की गई है। पूर्व मध्यमा (कक्षा 9वीं और 10वीं) के लिए 100 रुपये, उत्तर मध्यमा

(कक्षा 11वीं और 12वीं) के लिए 150 रुपये, शास्त्री के लिए 200 रुपये एवं आचार्य के लिए 250 रुपये प्रति माह दिए जाने के प्रस्ताव पर मंत्रिपरिषद ने अनुमोदन प्रदान किया। माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने बताया कि संस्कृत की शिक्षा ग्रहण करने वाले ज्यादातर छात्र और छात्राएं निधन परिवारों से होते हैं। इसलिए संस्कृत शिक्षा के अंतर्गत छात्रवृत्ति की व्यवस्था की गई है। पहले कक्षा छह और सात के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति की कोई व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने कहा कि आज के फैसले

का लाभ सीधे-सीधे विद्यार्थियों को प्राप्त होगा। पहले प्रावधान था कि 50 हजार रुपये तक वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्र ही इसके पात्र होंगे, लेकिन अब इस शर्त को हटा दिया गया है। संस्कृत ही सभी भाषाओं की जननी है, इसलिए सरकार पूरी तरीके से इस पर ध्यान दे रही है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि प्रदेश में कुल 517 संस्कृत विद्यालय हैं, जहां विद्यार्थी इस योजना का लाभ ले सकेंगे। कैबिनेट के अन्य फैसलों में उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा

संचालित पर्यटक आवास गृहों को प्रबंधकीय सविदा के आधार पर निजी उद्यमियों के माध्यम से संचालित कराने की समय सीमा को पांच साल से बढ़ाकर 30 साल (15+15) कर दी गई है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि विगत कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में आने वाले देशी और विदेशी पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। 2016-17 में लगभग 16 करोड़ पर्यटक आए थे तो 2023 में 48 करोड़ पर्यटक उत्तर प्रदेश में आए। इस साल इसमें और वृद्धि होने की संभावना है।

### मेनोपॉज दौर से गुजर रही महिलाओं को हृदय रोग का खतरा : शोध

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली/आईएनएस

एक शोध से यह बात सामने आई है कि मेनोपॉज काल से गुजर रही महिलाओं में ऐसे बदलाव होने की संभावना है जो उनके हृदय के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। मेनोपॉज और महिलाओं की लिपिड प्रोफाइल में एक कनेक्शन देखा गया है। ऐसे मिथक हैं कि हृदय रोग (सीबीडी) सिर्फ पुरुषों का रोग है। मगर यह महिलाओं में होने वाली मौतों का 40 प्रतिशत कारण माना जाता है, जिससे यह आज महिलाओं में मृत्यु का प्रमुख कारण बन गया है। हालांकि महिलाओं को आमतौर पर पुरुषों की तुलना में 10 साल बाद हृदय रोग का खतरा होता है, लेकिन मेनोपॉज के बाद उन्हें हृदय रोग होने का जोखिम अधिक होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास साउथवेस्टर्न मेडिकल सेंटर, यू.एस.में अध्ययन की लेखिका डॉ. स्टेफनी मोरेनो ने कहा, कि मेनोपॉज के दौरान और उसके बाद एल.डी.एल. की मात्रा में बढ़ोतरी और एच.डी.एल. में कमी होती है। यह स्थिति हृदय रोग से जुड़ी होती है। जिससे कोरोनरी आर्टरी डिजीज जैसे हृदय रोग होने का जोखिम बढ़ जाता है। शोध में 1,246 प्रतिभागियों ने भाग लिया और शोधकर्ताओं ने न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस प्रौद्योगिकी का उपयोग किया। मोरेनो ने कहा कि हमने पाया कि मेनोपॉज की वजह से लिपोप्रोटीन प्रोफाइल में प्रतिकूल परिवर्तन देखे गए हैं। जिसमें सबसे अधिक स्पष्ट परिवर्तन एलएलएल पार्टिकल्स में बढ़ोतरी है। टीम ने कहा कि इन लिपिडों से मेनोपॉज के बाद की महिलाओं में हृदय रोग के बढ़ने की व्याख्या करने में मदद मिल सकती है, तथा यह निर्धारित करने में भी मदद मिल सकती है कि क्या इसमें पहले ही हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

### मोदी विश्वविद्यालय में सिविल सर्विस अभ्यर्थियों के लिए ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया

बिजनेस रेमेडीज/लक्ष्मणगढ़



लक्ष्मणगढ़ स्थित मोदी विश्वविद्यालय में सिविल सर्विस अभ्यर्थियों के लिए एक समकल्प के सहयोग से एक ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मोदी विश्वविद्यालय छात्राओं को विष्व स्तरिय शैक्षणिक सुविधाएं देने के साथ ही उन्हें बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में सिविल सर्विस की तैयारी के लिए मोदी विश्वविद्यालय ने देश के सुप्रसिद्ध संस्थान समकल्प के साथ एक अनुबंध किया है। इसी के तहत 28 अगस्त को समकल्प के राष्ट्रीय समन्वयक अंकुश अग्रवाल मोदी विश्वविद्यालय के सभागार में सिविल सर्विस अभ्यर्थियों से रूब रूब हुए। इस दौरान चंद्रा उन्होंने

के लिए भी उपलब्ध कराया है ताकि सुविधा की कमी किसी के सपनों के आड़े न आ सके। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अलावा अन्य स्कूल और कॉलेज की छात्राओं ने भी हिस्सा लिया। मोदी विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक प्रोफेसर डॉ. अनिल सारोलिया ने कहा कि शेखावटी की छात्राओं के लिए ये एक बेहतर मौका है। विश्वविद्यालय ने ये सुविधा संस्थान के अलावा प्रदेश के अन्य छात्र एवं छात्राओं

बतौर फीस मात्र 65 हजार (जीएसटी अतिरिक्त) देना होगा जिसे छात्र क्रिस्तों में भी जमा कर सकते हैं। इस कोर्स की शुरुआत सितम्बर के पहले पखवाड़े से होगी और इसके लिए छात्र छात्राएं 31 अगस्त 2024 तक अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड साइंसेज के डीन प्रोफेसर जितेंद्र बिनवाल ने कहा कि समाज के हर तबके को ध्यान में रखते हुए सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत विश्वविद्यालय की ये पहल शेखावटी के साथ ही पूरे प्रदेश के छात्रों को एक नयी राह एवं दिशा प्रदान करेगी। इससे सिविल सर्विस का सपना देख रही छात्राओं को आगे बढ़ना का बेहतर अवसर प्राप्त होगा, जिससे वे प्रशासनिक अधिकारी बन सकते हैं।

### एनआईटी में टेक्निकल टेक्सटाइल पाठ्यक्रम के लिए 20 करोड़ रुपये के अनुदान की मंजूरी

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली/आईएनएस



देश के कई उच्च शिक्षण संस्थानों में टेक्निकल टेक्सटाइल से जुड़े डिग्री पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इन शिक्षण संस्थानों में 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' यानी एनआईटी भी शामिल है। पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए करीब 20 करोड़ रुपये के अनुदान की मंजूरी दी गई है। टेक्सटाइल में यह नए डिग्री प्रोग्राम केंद्र सरकार की पहल पर शुरू किया जा रहे हैं। गौरतलब है कि यह सभी टेक्सटाइल से संबंधित पाठ्यक्रम सीधे उद्योगों से जुड़े हुए हैं। टेक्निकल टेक्सटाइल के क्षेत्र में बी.टेक पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव दिया गया है। एनआईटी जिन विषयों में बीटेक के नए

उद्योग भवन में राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के तहत आठवीं अधिकार प्राप्त कार्यक्रम समिति (ईपीसी) की बैठक की अध्यक्षता की। मंत्रालय ने 4 स्टार्ट-अप को मंजूरी दी है। अधिकार प्राप्त समिति ने 'तकनीकी वस्त्र के क्षेत्र में उभरते खोजकर्ताओं के लिए अनुसंधान एवं उद्यमिता हेतु अनुदान (ग्रेट) योजना के तहत प्रत्येक स्टार्ट-अप को लगभग 50 लाख रुपये के अनुदान प्रदान किया है।

केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय के मुताबिक समिति ने 'तकनीकी वस्त्रों से संबद्ध शैक्षणिक संस्थानों को सक्षम बनाने हेतु सामान्य दिशानिर्देश' दिए हैं। इन दिशा निर्देशों के तहत 5 शिक्षा संस्थानों को तकनीकी वस्त्रों से संबंधित पाठ्यक्रम शुरू करने हेतु लगभग 20 करोड़ रुपये के अनुदान को भी मंजूरी दे दी है। अनुमोदित स्टार्ट-अप परियोजनाएं कपोजिटिक्स, सस्टेनेबल टेक्सटाइल्स और स्मार्ट टेक्सटाइल्स के प्रमुख रणनीतिक क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। अनुमोदित शिक्षा संस्थानों ने जियोटेक्सटाइल्स, जियोसिन्थेटिक्स, कपोजिटिक्स, सिविल स्ट्रक्चर्स आदि सहित तकनीकी वस्त्रों के विभिन्न क्षेत्रों और अनुप्रयोगों में नए बी.टेक पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव दिया है।

